STATE ELECTION COMMISSION, HAYRANA
NIRVACHAN SADAN, PLOT NO. 2, SECTOR-17
PANCHKULA

No. SEC/1 ME/2017/ 1225 Dated:- 12.06.2017

To

The Director General,
Information, Public Relation and Culture Affairs,
Haryana, Chandigarh

Subject:- **Press Note.**

Sir,

Please find enclose herewith 06 copies (In both versions i.e. English and Hindi) of the press note for publication as news item in all the news papers having wide circulations in Haryana.

The contents of the Press note may also be got broadcasted from the Rohtak, Kurukshetra, Chandigarh and other stations of "Akashvani" as well as "Doordarshan".

Yours faithfully,

(Parmal Singh)
Asstt. State Election Commissioner, Haryana

E:\Backup 05-03-2017\Kuldeep-MC\Press Note-Preparation of E. Rolls.-01.06.17.doc

PRESS NOTE

Now only those persons can vote in Municipal Corporation/Council /Committee whose names appeared in the Electoral Rolls of respective Legislative Assembly Constituency.

Panchkula, the 12th June, 2017: Dr. Dalip Singh, State Election Commissioner, Haryana stated that the State Government vide Notifications No. 4/4/2017-R-II dated 14th March, 2017 and 22nd May, 2017 has amended the rules pertaining to the preparation of electoral rolls of Municipal Institutions i.e. the Haryana Municipal Corporation Election Rules, 1994 and Haryana Municipal Election Rules, 1978.

2. Dr. Singh further added that earlier the electoral rolls of the Municipalities were being prepared on the basis of the electoral rolls of the respective Legislative Assembly Constituencies prepared by the Election Commission of India. The State Election Commission, while preparing the electoral rolls of the Municipalities, used to include new voters or delete voters in the electoral rolls prepared by the Election Commission of India. But, as per the amendment made by the Government in the Haryana Municipal Corporation Election Rules, 1994 and the Haryana Municipal Election Rules, 1978, such practice has been discontinued. As per new amendment, only the electors existing in the respective area of the Legislative Assembly Constituency shall be distributed in the wards of the Municipalities. Henceforth, the State Election Commission shall not prepare its separate list as was done in the past. It is also clarified that if any person intends to get his

name included in the electoral roll of Municipalities, he shall have to first get his name included in the electoral rolls of respective Legislative Assembly Constituency; otherwise his name shall not be included in the electoral rolls of Municipalities directly.

3. Dr. Singh also added that the claims and objections shall be filed in Form "A" and "B" and presented to the concerned Revising Authority within stipulated period. The claims and objections shall be decided by the concerned Revising Authority within the prescribed period. Any person aggrieved by the decision of Revising Authority, may file appeal within three days from the date of order to the concerned Deputy Commissioner, who shall within three days either confirm such order, or set it aside or pass such other order with respect to the claims or objections as he may deem fit. The rolls so amended shall be final and be published in the manner prescribed thereof.

4. Dr. Singh further added that any person whose name is not included in the finally published ward wise electoral rolls of Municipal Institutions, may apply to the Deputy Commissioner for addition/correction of his name. But, <u>any addition/deletion/correction in any name can only be made in the electoral rolls of the Municipal Institutions, if the name of claimant exists in the relevant part of Assembly Electoral Roll till the first day of filing nomination papers</u>.

5. Dr. Singh finally appealed to all the electors of the urban areas to go through the website of this Commission i.e. www.secharyana@gov.in and acquaint themselves with the amended rules of the Haryana Municipal Corporation Election Rules, 1994 and Haryana Municipal Election Rules, 1978.

प्रैस विज्ञप्ति

अब नगर निगम/परिषद्/पालिका चुनावों में केवल वही व्यक्ति वोट डाल सकेंगे जिनका नाम सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज होंगे ।

पंचकूला, दिनांक 12 जून, 2017:- डा0 दलीप सिंह राज्य निर्वाचन आयुक्त, हरियाणा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 4/4/2017-आर-।। दिनांक 14 मार्च 2017 और 22 मई 2017 द्वारा नगरनिकाय संस्थाओं के मतदाता सूची तैयार करने से सम्बन्धित नियमों यानी हरियाणा नगरनिगम निर्वाचन नियम, 1994 और हरियाणा नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1978, में संशोधन किया गया है।

2. डा0 सिंह ने आगे बताया कि पहले नगर निकायों की मतदाता सूची सम्बन्धित विधान सभा चुनाव क्षेत्र की भारत चुनाव आयोग द्वारा तैयार मतदाता सूची के आधार पर तैयार की जाती थी । राज्य निर्वाचन आयोग नगर निकायों की मतदाता सूची तैयार करते समय भारत चुनाव आयोग द्वारा तैयार विधान सभा मतदाता सूची में नये नामों को शामिल व विलोपित कर लेता था । परन्तु, अब नगरनिगम निर्वाचन नियम, 1994 और हरियाणा नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1978, में संशोधन उपरांत इस तरह की प्रथा प्रभावी नहीं रहेगी। नये संशोधन अनुसार, मात्र सम्बन्धित विधान सभा चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं को ही नगर निकायों की वार्ड वार मतदाता सूची में विभाजित किया जाएगा । यानि अब नगर निकाय पूर्व की भांति अपनी अलग मतदाता सूचित तैयार नहीं करेंगे । यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति नगर निकायों की वार्ड वार मतदाता सूची में अपना नाम अंकित करवाना चाहता है, तो पहले उसे अपना नाम सम्बन्धित विधान सभा चुनाव क्षेत्र की मतदाता सूची में अंकित करवाना होगा; अन्यथा सीधे तौर पर उसका नाम नगर निकायों की मतदाता सूची में शामील नहीं किया जायेगा ।

3. डा0सिंह ने यह भी बताया कि दावे और आप्तियां प्ररूप "क" और "ख" में सम्बन्धित पुनरीक्षण प्राधिकारी को निर्धारित समय अवधि के अन्दर प्रस्तुत करने होंगें। सम्बन्धित पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा दावें और आपत्तियों का निपटान निर्धारित समय अवधि के दौरान किया जायेगा । यदि कोई व्यक्ति पुनरीक्षण प्राधाकारी के आदेशों से संतुष्ट न हो, तो वह आदेश की तिथि के तीन दिनों के भीतर उपायुक्त को अपील दायर कर सकता है, जो तीन दिनों के भीतर या तो ऐसे आदेश की पुष्टि करेगा या अपास्त करेगा या दावे या आप्पित के सम्बन्ध में ऐसा अन्य आदेश पारित करेगा, जैसा वह उचित समझे। इस तरह से संशोधित मतदाता सूची अंतिम होगी और विहित रीति में प्रकाशित की जायेगी।

4. डा0 सिंह ने आगे बताया कि अगर किसी व्यक्ति को नाम अंतिम रूप से प्रकाशित नगर निकायों की वार्डवार मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हो पाया हो, तो वह उपायुक्त को अपना नाम जोड़ने/विलोपन/संशोधन हेतू आवेदन कर सकता है। परन्तु किसी भी नाम को नगरनिकाय की मतदाता सूची में केवल तभी जोडा/विलोपित/संशोधित किया जायेगा यदि दावेदार/आवेदक का नाम नामांकन पत्र दायर करने के प्रथम दिन तक तत्समय लागू विधानसभा की मतदाता सूची के सम्बन्धित भाग में सम्मिलित हो ।

5. डा0 सिंह द्वारा अंततः शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं से अनुरोध किया है कि वह राज्य निर्वाचन आयोग की वैबसाइट www.secharyana@gov.in में जाकर हरियाणा नगरनिगम निर्वाचन नियम, 1994 और हरियाणा नगरपालिका, निर्वाचन नियम, 1978 के संशोधित नियमों से अपने आप को अवगत कर लें।